बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

अय्यूब 28 पर एक सिद्धांतात्मक मनन

इस संसार में जहाँ ज्ञान, तकनीक और जानकारी की भरमार है, बाइबल हमसे एक गहन और चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछती है:

“परन्तु बुद्धि कहाँ मिलती है? और समझ का स्थान कहाँ है?”
— अय्यूब 28:12

अय्यूब 28 एक काव्यात्मक और गहरे सिद्धांत वाला अध्याय है जो बुद्धि के रहस्य पर विचार करता है — उसकी दुर्लभता और उसका दिव्य मूल। यह मनुष्य की भौतिक खनिजों को निकालने की क्षमता की तुलना उस असमर्थता से करता है जिसके द्वारा वह अपने प्रयासों से सच्ची बुद्धि को प्राप्त नहीं कर सकता।

मानवीय उपलब्धि बनाम परमेश्वर की बुद्धि

मनुष्य ने चाँदी-ताँबा निकालना, गहराइयों में सुरंग बनाना और यहाँ तक कि अंतरिक्ष की खोज करना सीख लिया है:

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“चाँदी के लिये खदान होती है, और सोने के लिये ऐसा स्थान
जहाँ उसको शुद्ध किया जाता है। लोहा भूमि में से निकाला
जाता है, और पत्थर चूर्ण करके ताँबा निकाला जाता है। मनुष्य चट्टान में हाथ लगाता है, और पहाड़ों को जड़ से उखाड़ देता
है।”
— अय्यूब 28:1–2, 9

आज के युग में इसमें अंतरिक्ष विज्ञान, डीएनए से छेड़छाड़ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी जुड़ गई है। परंतु इतने विकास के बावजूद, सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न अब भी अनुत्तरित है:

“परन्तु बुद्धि कहाँ मिलती है? और समझ का स्थान कहाँ है? मनुष्य इसकी कीमत नहीं जानता, और यह जीवित लोगों के देश में नहीं पाई जाती।”
— अय्यूब 28:12–13

यहाँ तक कि समुद्र, आकाश और पहाड़ — सृष्टि की ये सभी महाशक्तियाँ — भी उत्तर नहीं दे पातीं। बुद्धि प्रकृति से परे है और मनुष्य के प्रयासों से अज्ञात रहती है।

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“गहराई कहती है, ‘यह मुझ में नहीं है’; और समुद्र कहता है, ‘यह
मुझ में नहीं है।’”
— अय्यूब 28:14

“इसको सबसे अच्छा सोना देकर नहीं पाया जा सकता… इसकी कीमत मूंगों से भी अधिक है।”
— अय्यूब 28:15, 18

यह हमें एक बहुत ही महत्वपूर्ण सच्चाई की याद दिलाता है: कुछ सत्य ऐसे होते हैं जो केवल परमेश्वर के द्वारा प्रकट किए जा सकते हैं; वे केवल बुद्धि या तर्क से नहीं समझे जा सकते।

बुद्धि केवल परमेश्वर की है

जब सारा सृजन और सभी मानवीय प्रयास असफल हो जाते हैं, तब यह अध्याय एक शक्तिशाली घोषणा के साथ चरमोत्कर्ष पर पहुँचता है:

“परन्तु परमेश्वर उस मार्ग को जानता है; वही उसकी थान को जानता है।”

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

— अय्यूब 28:23

यह उस सच्चाई को प्रकट करता है जो पूरे शास्त्र में पाई जाती है: सच्ची बुद्धि किसी मानवीय खोज का परिणाम नहीं, बल्कि परमेश्वर का दिया हुआ एक वरदान है। केवल वही जो सब कुछ देखता है और सब कुछ नियंत्रित करता है, बुद्धि को प्रकट कर सकता है।

परमेश्वर ने मनुष्य को क्या बताया

परमेश्वर हमें अनभिज्ञ नहीं छोड़ता। वह स्पष्ट रूप से बताता है:

“और उसने मनुष्य से कहा, ‘देख, प्रभु का भय मानना ही बुद्धि
है, और बुराई से दूर रहना ही समझ है।’”
— अय्यूब 28:28

यह वचन पुराने नियम के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है और पूरे ज्ञान-साहित्य में बार-बार दोहराया गया है:

“यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है, और पवित्र जन का

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

ज्ञान ही समझ है।”
— नीतिवचन 9:10

“यहोवा का भय मानना ज्ञान का आरम्भ है; पर मूर्ख लोग बुद्धि
और शिक्षा का तिरस्कार करते हैं।”
— नीतिवचन 1:7

यहाँ ‘यहोवा का भय’ का अर्थ भयभीत होना नहीं, बल्कि आदर, श्रद्धा, और आज्ञाकारिता से भरा जीवन है — ऐसा जीवन जो परमेश्वर को सृष्टिकर्ता, स्वामी और न्यायी के रूप में मान देता है।

सुलैमान — एक चेतावनी स्वरूप उदाहरण

राजा सुलैमान को अद्भुत बुद्धि दी गई थी (1 राजा 4:29–34), फिर भी अंततः उसने उसी बुद्धि का उल्लंघन किया। उसने अन्यजाति की स्त्रियों से विवाह किया और उनके देवताओं की पूजा की — जबकि परमेश्वर ने स्पष्ट रूप से मना किया था:

“राजा बहुत सी स्त्रियाँ न रखे, नहीं तो उसका मन फिर जाएगा।”

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

— व्यवस्थाविवरण 17:17

सुलैमान का जीवन दिखाता है कि परमेश्वर से अलग की गई मानवीय बुद्धि व्यर्थ हो जाती है। उसने अंत में कहा:

“मैंने अपनी आंखों को जो कुछ भाया, उस से अपने को वंचित न
किया… फिर जब मैं ने उन सब कामों पर ध्यान किया जो मेरे
हाथों ने किए थे… तो देखा कि सब कुछ व्यर्थ और वायु को
पकड़ना है।”
— सभोपदेशक 2:10–11

अंततः सुलैमान ने वही निष्कर्ष निकाला जो अय्यूब 28 की शिक्षा है:

“सब बातों का निष्कर्ष यह है: परमेश्वर का भय मान और उसकी आज्ञाओं को मान; क्योंकि मनुष्य का सम्पूर्ण कर्तव्य यही
है।”
— सभोपदेशक 12:13

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

मसीह — परमेश्वर की बुद्धि की परिपूर्णता

नए नियम में हमें एक और गहरा रहस्य प्रकट होता है: यीशु मसीह ही परमेश्वर की बुद्धि का जीवित रूप हैं।

“और तुम्हारा भी उसी में होना परमेश्वर की ओर से है, कि मसीह यीशु हमारे लिये परमेश्वर की ओर से ज्ञान, और धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा ठहरा।”
— 1 कुरिन्थियों 1:30

और मसीह में ही—

“बुद्धि और ज्ञान के सब भण्डार छिपे हुए हैं।”
— कुलुस्सियों 2:3

वही वह बुद्धि हैं जिसकी अय्यूब ने लालसा की, वही जिसे सुलैमान ने गलत इस्तेमाल किया, और वही जो अनन्त जीवन प्रदान करती है।

इसलिए जब हम पूछते हैं, “बुद्धि कहाँ है?”, तो अंतिम उत्तर यह है:

बुद्धि क्या है? और समझ कहाँ पाई जा सकती है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

केवल परमेश्वर का भय नहीं, बल्कि मसीह को जानना ही सच्ची बुद्धि है, क्योंकि उसमें परमेश्वर की सम्पूर्ण बुद्धि प्रकट हुई है।

परमेश्वर तुम्हें आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp